गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2015-2017

सेवा में,

golalariya.darshan@gmail.com
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

लेट पोस्टिंग

मासिक
गोलालारीय दर्शन

अपनों के साथ अपनी बातें

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। हृदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 7 अंक : 5 पृष्ठ संख्या : 12 माह – 15 मार्च 2016 सहयोग राशी – आजीवन सदस्य बनें ।

परिचय सम्मेलन : आज की आवश्यकता

आधुनिक परिवेश में व्यक्तिगत और व्यावसायिक कारणों से हम सामाजिक कार्यों में उचित समय नहीं दे पा रहे है जिसके कारण आपसी मेलजोल सिर्फ फोन तक ही सिमट गया है । एक दूसरे के सुख दुख में सहभागी होने के मौके कम ही आ पाते है । आजकल तो मांगलिक कार्य भी छुट्टियों को ध्यान में रखते हुए बनाये जाते है । ऐसे व्यस्ततम जीवन में अपने बच्चों के संबंध के लिए कितना समय किस तरह से निकाल पाते है इससे हर कोई वाकिफ है । किसी अन्य नगर में जाकर रिश्तेदारों से विवाह संबंधी जानकारी हासिल करना व उनसे मिलना एक कठिन कार्य होता जा रहा है । आजकल अनेक संस्थाएँ विवाह योग्य प्रत्याशियों के लिए पत्रिका निकाल रही है । कई संस्थाएँ परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह के आयोजन भी कर रही है ।

परिचय सम्मेलन आज के समय की आवश्यकता बनते जा रहे हैं क्योंकि हमारे पास समयाभाव के कारण अलग अलग हर इच्छित व्यक्ति से मिल पाना संभव नहीं है आज विज्ञान और तकनीक के विकास ने भले ही संपर्क सूत्र बढ़ाने में हमारी बहुत मदद की है किन्तु केवल बायोडाटा और ईमेल के द्वारा हम किसी के बारे में वो सब नहीं जान सकते जो एक प्रत्यक्ष संपर्क द्वारा कुछ ही देर की मुलाकात में पता लगाया जा सकता है । परिचय सम्मेलन में एक ही स्थान पर अनेक लोगों से व्यक्तिगत रूप से मेल मुलाकात का सुनहरा अवसर स्वत: ही प्राप्त हो जाता है इस लिहाज से परिचय सम्मेलन गागर में सागर का कार्य करते है । सोशल मीडिया पर अनेक वैवाहिक साइट्स (मेट्रोमोनियल) आपको योग्य प्रत्याशियों की जानकारी देने के लिए तत्पर बैठी है । आप बस एक मोटी राशि उन्हें चुका दे, फिर देखे, आप हैरान हो जायेंगे किस तरह की भ्रामक जानकारियां आपको रोज मिलेगी जिन्हें परखना आपके लिए संभव ही नहीं है, इसमें कितनी धोखाधड़ी होती है यह आपको ज्ञात ही होगा ।

किन्तु यह देखा जा रहा है कि कई परिजन परिचय सम्मेलन को लेकर उतने उत्साहित नहीं दिखाई देते जितना कि होना चाहिए । परिचय सम्मेलनों के इतने प्रचार प्रसार के बावजूद इनमें भाग लेने वालों की संख्या पत्रिकाओं में दिए गये बायोडाटा के हिसाब से बहुत उत्साहजनक नहीं रहती है । इसके पीछे अनेक कारण है, समाजजनों में जागरुकता का अभाव तो प्रमुख है ही जिसके कारण लोग परिचय सम्मेलन में सम्मिलित होना या परिचय पुस्तिका में बायोडाटा देना अपने आत्म सम्मान के खिलाफ समझते हैं । कुछ परिजन किसी तरह से पुस्तकें प्राप्त कर संबंध के लिए प्रत्याशियों के परिजनों को फोन करते है । अप्रिय स्थिति तब बनती है जब सामने वाले के बच्चे का बायोडाटा उस पत्रिका में नहीं होने के कारण पूर्ण जानकारी के अभाव में चर्चा लंबित हो जाती है । साथ ही साथ परिचय सम्मेलनों में स्वयं को प्राथमिकता देने की भावना, आयोजकों की अनुभवहीनता से होने वाली गंभीर त्रुटियाँ भी एक हद तक लोगों को आकर्षित करने में असफल सिद्ध हुई हैं।

सर्वप्रथम हमें यह बात अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए कि विवाहादि प्रसंगों में जानकारी देते समय स्पष्टता और सटीकता होना बहुत आवश्यक है बायोडाटा के प्रत्येक कॉलम को पूरी ईमानदारी से सत्य जानकारी देते हुए भरें, इससे आगे संपर्क में आने पर आपको कोई विषम परिस्थिति में नहीं फंसना पड़ेगा । अपनी प्राथमिकता को लेकर स्पष्ट रवैया रखें जैसे कुंडली मिलान के पक्ष में है या नहीं, भावी वर या वधु के करियर के बारे में आपकी राय स्पष्ट हो तो आगे कोई दुविधा नहीं होगी । इसी प्रकार की अनेक बातें हैं जिनमें स्पष्ट और सटीक विचार धारा से हम अपने और दूसरे पक्ष के लिए भी सुविधाजनक बातावरण का निर्माण कर सकते हैं इसी के साथ एक और जरुरी बात है कि अपने अहम को थोड़ा पीछे रखकर हम स्वयं आगे बढ़कर किसी रिश्ते की पहल करते हैं तो इसमें कोई बुरी बात नहीं समझनी चाहिए भले ही हम वर पक्ष वाले हों सिर्फ इसी अहम के कारण कोई अच्छा रिश्ता हाथ से न जाने दें । आगे बढ़ें और एक नई शुरुआत करें ।

परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह के नियमित आयोजन के लिए राष्ट्रीय कमेटी को संगठित होकर सक्रिय होना होगा । राष्ट्रीय कमेटी को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का समय अब आ गया है । कमेटी के पदाधिकारियों को चाहिए कि वे उन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए एक कार्ययोजना क्षेत्रीय समितियों के सहयोग से तैयार कर बारी बारी से प्रत्येक नगर को परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह की जिम्मेदारी देवे । कार्यक्रम आयोजन के लिए क्षेत्रीय समिति को मजबूत कर ही हम इस समस्या के निराकरण के लिए सार्थक पहल कर सकेंगे । आज राष्ट्रीय कार्यकारिणी को विवाह से जुड़ी कुछ बुराईयां जैसे दहेज, विवाह समारोह में धन का दुरुपयोग, भोजन का अपव्यय, साधनहीन लोगों को विवाह हेतु आर्थिक मदद देने संबंधी विषयों पर पहल कर इनको शीघ्र निराकरण करने के लिए कार्ययोजना बनाना चाहिए । कहीं विचार करते करते देर न हो जाये । – **अनुपमा जैन,** सहसंपादिका

मुनिश्री 108 प्रकर्षसागरजी महाराज का भौतिक शरीर पंचतत्व विलीन

आचार्य श्री 108 पुष्पदंतसागरजी महाराज के सुयोग्य शिष्य, कविमना, योग साधना निपूर्ण, प्रवचन भास्कर, अद्वितीय राष्ट्रप्रेमी, साइंटिस्ट, युवा संत, लाइफ मेनेजमेंट कोर्स के प्रणेता, सिद्धहस्त योगी, संस्कार क्रांति संवाहक व निर्ग्रंथ गौरव मुनिश्री 108 प्रकर्षसागरजी महाराज का हृदयघात से समाधि मरण दिनांक 22 फरवरी को पहाणीखेरा, ब्रजपुर (पन्ना) में हो गया।

आपने ब्रजपुर की जिस भूमि पर जनम लिया वहीं आपका समाधिमरण हुया। आप अपनी जन्मभूमि ब्रजपुर में जिनमंदिर के साथ स्कूल व चिकित्सालय निर्माण कार्यों का मार्गदर्शन कर रहे थे । आपने सैद्धांतिक, आध्यात्मिक व व्यवहारिक विषयों पर, जिन्होंने वैज्ञानिक विश्लेषण व शोध (रिसर्च) किया हो, ऐसे युवा आत्मसाधक के द्वारा, जिनदर्शन और जीवनदर्शन दोनों विषयों का मिश्रण करके विज्ञान की दृष्टि से शोध कर लगभग 14 वर्षों की कठिन साधना से 13 विषयों पर लगभग 5500 पृष्ठीय शोध तैयार किया । इसी शोध प्रबंधन के माध्यम से 11 तरह के शिविर आयोजित आपके द्वारा किये जाते रहे है । आपके द्वारा 31 पुस्तकों का लेखन किया गया जिसमें कहानी, कवितायें, कोटेशन, गज़ल, लेख, पद इत्यादि का शामिल है। गुणोदय–जिनअर्चना आपकी अद्भुत रचना है इसके साथ ही सफर दर्द का, इंसान तू खुद को पहचान, सुबोध शिक्षा, अमृत छलकत घट, दरिया किनारे दहकते अंगारे, तेरी महिमा मेरे गीत व अंतिम रचना चिंतन जागीर रही ।

मुनिश्री का जीवन सुमन – जन्म 19.10.67, **जन्म स्थान** ब्रजपुर, **जन्म नाम** प्रमोदकुमार जैन, **पिता** सुमेरचंद जैन, **लौकिक शिक्षा** हायर सेकेण्डरी, **गृह त्याग** 16.12.92, **मुनि दीक्षा** 23.07.98 इन्दौर, **दीक्षा गुरु –** आचार्य श्री 108 पुष्पदंतसागरजी महाराज ।

गोलालारीय दर्शन समाज के 4500 परिवारों तक नियमित भेजा जा रहा है । संभव है डाक व्यवस्था या आपका पता सही न होने के कारण पत्रिका आपको व आपके रिश्तेदारों तक पत्रिका नहीं पहुंचती है तो उनका नाम व पता पोस्टकार्ड पर लिखकर पत्रिका कार्यालय पर भेज देवें या 9424013136 पर दोप. 4 से रात्रि 10 तक संपर्क कर सकते है या अपने पता का एसएमएस कर सकते है ।

परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद
डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256

प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन, 9407453066

सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884

कोषाध्यक्ष -
सुधेश कुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलंचद जैन, 9329524227

(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855
IFSC Code: SBIN0030134
में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट - 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	3000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	200/-

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर अथवा श्री राजेन्द्रकुमार जैन हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड, इन्दौर पर भेंजे।

अनन्तानन्त सिद्धों की आराधना का सुअवसर

कन्छेदीलाल जैन, विदिशा । अगाामी माह मार्च 2016 में अष्टान्हिका महापर्व के अवसर पर जबकि स्वर्गलोक से देवगण भी नन्दीश्वर द्वीप में भक्ति आराधना के लिए अपने परिवार सहित जाते है, स्थानीय चन्द्रप्रभु मंदिर ट्रस्ट खरीफाटक बाहर ने दि. 16.03.16 से 23.03.16 तक सिद्धचक्र विधान का आयोजन सामूहिक रूप से करने का निर्णय किया है।

इसके पश्चात दि. 1.04.16 से 8.04.16 तक श्री सिद्धक्षेत्र पावागिरजी में विदिशा में निवासरत श्रावक श्रेष्ठी श्री दीपचन्द महेन्द्रकुमार नीरजकुमार जैन 'गौरवाले' के सिद्धचक्र महामंडल विधान करवाने के भाव हुए हैं। साधर्मीजन उक्त भक्ति गंगा में अवगाहन हेतु सादर आमंत्रित है । उक्त विधान बा.ब्र. दशमी प्रतिमाधारी श्री अशोक भैय्याजी इन्दौर एवं पं. महेन्द्रकुमार जैन विदिशा के मार्गदर्शन में संपन्न होगा तत्पश्चात 10.04.16 से 19.04.16 तक विदिशा श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, किरी मोहल्ला में श्री हुकमचंद, बाबूलाल, दुलीचंद, संतोषकुमार, अभयकुमार झांवर परिवार द्वारा सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन किया जा रहा है । यह विधान भी आ. अशोक भैयाजी एवं पं. महेन्द्रकुमारजी के मार्गदर्शन में संपन्न होंगे । समाजजनों से विनती है कि उक्त कार्यक्रम में शामिल होकर मानव जीवन सार्थक करें ।

अहमदाबाद के रामेश्वर पार्क में दि. 18 अप्रैल से 23 अप्रैल तक पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है । गुजरात में प्रथम चौमुखी मंदिर व 1008 सहस्त्रफणी पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा की स्थापना की जा रही है । पधारकर धर्मलाभ लेवें ।

बधाईयाँ - डॉ. अनिल जैन हुए सम्मानित

इंडियन सोसायटी फॉर एजुकेशन एण्ड इन्वायरमेंटल आईएसईई भोपाल एवं जवाहरलाल नेहरु स्मृति महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी जो कि श्रीलंका महाबोध सोसायटी सांची में आयोजित की गयी थी, उसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल जैन को श्री विद्या अवार्ड 2016 से सम्मानित किया गया । इस संगोष्ठी में भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. तारिक जफर, रायसेन जिलाध्यक्ष जे.के. जैन, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के डॉ. हेमंत खण्डई अतिथि के रुप में उपस्थित थे । डॉ. अनिल जैन की इस उपलब्धि पर उनके मित्रगण ने हार्दिक बधाईयां प्रेषित की ।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रीजी ने किया जैन दम्पत्ति का सम्मान

दुर्ग के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री मोहनलाल बाकलीवाल की स्मृति में आयोजित समारोह में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री रमनसिंहजी की उपस्थिति में डॉ. कपूरचन्द्र जैन एवं डॉ. ज्योति जैन ने खतौली (उ.प्र.) स्वतंत्रता संग्राम में जैन समाज की भूमिका पर विशेष वक्तव्य दिया । उन्होंने कहा कि ऋषभदेव के पुत्र भरत के नाम से विख्यात भारत वर्ष के स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में कई जैन शहीदों ने शहादत देकर तथा लगभग पांच हजार जैनों ने जेल की दारुण यातनायें सहकर स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त किया था । श्री मोहनलाल बाकलीवाल और छत्तीसगढ़ के 35 जैन स्वतंत्रता सेनानियों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी । जैन दम्पत्ति ने अपनी पुस्तक 'स्वतंत्रता संग्राम में जैन' मुख्यमंत्रीजी को भेंट की । आयोजन समिति की ओर से माननीय मुख्यमंत्रीजी के कर कमलों द्वारा जैन दम्पत्ति को प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया ।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए भा. दि. जैन महासभा के अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार सेठी ने कहा कि राष्ट्र के विकास में जैन समाज कंधे से कंधा मिलाकर चला है । आज पूरे भारत विशेषकर छत्तीसगढ़ में बिखरे जैन पुरातत्व के संरक्षण की महती आवश्यकता है । समारोह समिति ने इस अवसर पर 40 जैन स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को भी सम्मानित किया एवं उपस्थित अतिथियों ने अपने विचार रखे । जैन दम्पत्ति के सहयोग से श्री कैलाशचंद रारा द्वारा निर्मित 'आजादी के जैन सिपाही' डाक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया । डॉ. उज्जवल पाटली, प्रदीप जैन 'विश्व परिवार', नथमल कोठारी, दानेश्वर प्रसाद शर्मा सहित बड़ी संख्या में जैन एवं जैनेतर महानुभाव उपस्थित थे ।

करियर संबंधी मार्ग निर्देशन

पवागिरि में संपन्न समारोह के अवसर पर गोलालारीय दर्शन के संरक्षक सदस्य डॉ. प्रकाशचंदजी जैन द्वारा घोषणा की गई थी कि विद्यार्थियों को करियर संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए वे अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे । डॉ. पी.सी. जैन, मोबाइल : 07709093997 से संपर्क कर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते है । यदि आप अपनी समस्या हमें लिखकर भेजेंगे तो उनका समाधान हम अपने आगामी अंक में प्रकाशित कर सकेंगे ।

यदि आप किसी भी तरह का मार्गदर्शन किसी भी क्षेत्र में करना चाहते है तो अपनी इच्छा हमें बताये ताकि उनका प्रकाशन कर समाज का लाभ हो सके।

गोलालारीय दर्शन के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण
घोषणा फार्म - 4 (नियम 8)

1.	प्रकाशक स्थल	127, देवी अहिल्या मार्ग, इन्दौर
2.	प्रकाशन अवधि	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	बाहुबली जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
4.	प्रकाशक का नाम	बाहुबली जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	310, उषा नगर एक्स., इन्दौर
5.	संपादक का नाम	राजेन्द्र जैन
	क्या भारत का नागरिक हैं	हाँ
	पता	डीकेएन 230, विजय नगर, इन्दौर
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक से साझेदार या हिस्सेदार हों	श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास, इन्दौर

मैं बाहुबली जैन एतद् द्वारा घोषित करता हूँ मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

हस्ताक्षर
बाहुबली जैन
1 मार्च 2016 (प्रकाशक के हस्ताक्षर)

मंगलाचरण

आचार्य 108 श्री विद्यासागरजी के चरणों में सादर समर्पित

विद्यासागरजी के चरणों में, अपना शीश धरुं,
दिल ये कहता है कि, गुरुवर के लिये, गीत रचूं।
उनकी वाणी तो ये जिनवाणी के जैसी लगती है,
उनकी चर्या तो हमें अगाम के जैसी लगती है,
उनकी महिमा को सुनाकर, उनका गुणगान करुं।
उनके उपदेशों से जन जन को ज्ञान मिलता है,
उनके चरणों से भी जो आता मान मिलता है,
ऐसे गुरुवर के मैं चरणों का सदा दास रहूं।
मेरे गुरुवर की पड़ी जिन पर कृपा की दृष्टि,
ज्ञान के सागर की लहरों में उतर गई किश्ती,
ऐसे ज्ञानी की तपस्या को मैं प्रणाम करुं।
वे सभी अब तक हुए कुंदन जिनको दी दीक्षा,
मोक्ष के मार्ग में चलने की ऐसी दी शिक्षा,
मुक्ति का जो मार्ग दिखाएं मैं वो ही राह चलूं।
साथ छूटे न कभी उनसे ये तमन्ना है,
मौत भी आए तो गुरुवर का नाम जपना है,
जन्म मिल जाए दोबारा उनका दीदार करुं।
दिल ये कहता है कि गुरुवर के लिए गीत रचूं।।

– **निर्मल पंचरत्न**, डोंगरगढ़
महामंत्री
चंद्रगिरी ट्रस्ट समिति, डोंगरगढ़

मौत की हकीकत

सपने में अपनी मौत को करीब से देखा।
कफन में लिपटे जलते अपने शरीर को देखा।
खड़े थे लोग हाथ बांधे एक कतार में....
कुछ थे परेशान कुछ उदास थे।
पर कुछ छुपा रहे अपनी मुस्कान थे।
दूर खड़ा देख रहा था मैं ये सारा मंजर।
तभी किसी ने हाथ बढ़ाकर मेरा हाथ थाम लिया।
और जब देखा चेहरा उसका तो मैं बड़ा हैरान था।
हाथ थामने वाला कोई और नहीं, मेरा भगवान था।
चेहरे पर मुस्कान और नंगे पाँव था।
जब देखा मैंने उसकी तरफ, जिज्ञासा भरी नजरों से
तो हंसकर बोला....
तुने हर दिन दो घड़ी जपा मेरा नाम था।
आज प्यारे उसका कर्ज चुकाने आया हूँ।
रो दिया मैं अपनी बेवकूफियों पर तब ये सोचकर।
जिसको दो घड़ी जपा, वो बचाने आये है।
और जिन में हर घड़ी रमा रहा।
वो शमशान पहुँचाने आये है।
तभी खुली आँख मेरी बिस्तर पर विराजमान था।
कितना था नादान मैं, हकीकत से अन्जान था।

– **संजय जैन, मुंबई**

देने की आदत ?

एक संत ने एक द्वार पर दस्तक दी और आवाज लगाई, 'भिक्षाम् देहि।' एक छोटी बच्ची बाहर आई और बोली, 'बाबा, हम निर्धन हैं, हमारे पास देने को कुछ नहीं है।'

संत बोले, 'बेटी, मना मत कर, अपने आंगन की धूल ही दे दे। लड़की ने एक मुठ्ठी धूल उठाई और भिक्षा पात्र में डाल दी।

बाद में शिष्य ने पूछा, 'गुरुजी, धूल भी कोई भिक्षा है ? आपने धूल देने को क्यों कहा?'

संत बोले, 'बेटे, अगर वह आज न कह देती, तो फिर कभी नहीं दे पाती। आज धूल दी तो क्या हुआ, देने का संस्कार तो पड़ गया। आज धूल दी है, उसमें देने की भावना तो जागी, कल समर्थवान होगी तो फल फूल भी देगी।'

देना सीखें। पहले तुच्छ या कम महत्वपूर्ण वस्तुओं से शुरू करें। देने के आनंद और संतुष्टि को महसूस करें, फिर महत्वपूर्ण और मूल्यवान वस्तुएँ देने में भी खुशी महसूस करेंगे। – **डॉ. आरोही जैन**, भोपाल

आपके परिवार में संपन्न मांगलिक अवसर जैसे कि 25वीं या 50वीं विवाह वर्षगांठ या बच्चों के विवाह का शुभ अवसर हो या जन्मदिवस की सुहानी यादें इनका विज्ञापन 'गोलालारीय दर्शन' पत्रिका में प्रकाशित कर इस सुखद एहसास को समाजजनों के साथ सांझा कर सकते है। ऐसे अवसरों पर हम लाखों रुपये खर्च कर देते है, हमारा आपसे सादर अनुरोध है कि अपने समाज की एकमात्र पत्रिका में मांगलिक प्रसंगों का विज्ञापन प्रदान कर गोलालारीय दर्शन को आर्थिक संबल कर पत्रिका के नियमित प्रकाशन में अद्वितीय सहयोग प्रदान करेंगे। आपकी छोटी सी सहायता राशि हमारे लिए अति महत्वपूर्ण है।

* विनम्र श्रद्धांजली *

* महेशकुमार जैन की माताजी **श्रीमती सुंदरबाई** धर्मपत्नी स्व. श्री मोंजीलाल जैन (बुढ़पुरावाले) का निधन 15 दिसम्बर 2015 को विदिशा में हो गया। आप अत्यंत धार्मिक एवं सरल स्वभावी थी।

श्री राजेन्द्रकुमार जैन, इन्दौर का निधन 25 दिसम्बर 15 को हो गया है। आप स्व. श्री पन्नालालजी के छोटे सुपुत्र थे।

* श्री कोमलचंदजी जैन (समाज अध्यक्ष), प्रकाशचंद, कैलाशचंद, निर्मलकुमार, रवीन्द्रकुमार की माताजी **श्रीमती कस्तूरीबाई** धर्मपत्नी स्व. श्री ब्रजलालजी जैन चांदामेटा का निधन इन्दौर में 26 दिसम्बर को 92 वर्ष की दीर्घायु में हो गया। आप धर्मनिष्ठ एवं सरल स्वभावी महिला थी। आपकी स्मृति में परिजनों ने समाज न्यास को 5100/– की राशि प्रदान की।

* **श्री प्रकाशचंद जैन** (डंगराने वालों) का निधन इन्दौर में 26 दिसम्बर को हो गया है। शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त पश्चात आपने न्यास कार्यकारिणी में अस्थायी ट्रस्टी के रुप में वर्ष 2002 से 2008 तक सेवाए दी। आपकी स्मृति में परिजनों ने समाज न्यास को 5100/– की राशि प्रदान की।

* **श्रीमती हेमलता अरविन्द जैन, इन्दौर** का निधन 1 जनवरी को हो गया है। आप धार्मिक एवं सरल स्वभावी महिला थी।

श्री धर्मेन्द्रकुमार जैन का निधन अल्पायु में 20 जनवरी को करैरा में हो गया है। आप सिद्धक्षेत्र पवाजी के अनन्य भक्त एवं सच्चे श्रावक थे।

* **श्री बाबूलालजी जैन (छितरीवाले) इन्दौर** का निधन 14 जनवरी को हो गया है। आप सरल स्वभावी व्यक्ति थे।

* श्री सुधीर जैन, जितेन्द्र जैन के पिताजी **श्री सुरेन्द्रकुमार जैन** का निधन 23 जनवरी को सनावद में हो गया। आप धर्मप्रेमी, मृदुभाषी एवं सरल स्वभावी व्यक्तित्व के धनी थे। आपकी स्मृति में परिजनों ने नगर व आस पास के तीर्थक्षेत्रों के साथ गोलालारीय दर्शन को 2100/– की राशि प्रदान की।

* श्री मनीष जैन की पुत्री **कु. तिथी जैन** का निधन 7 वर्ष की आयु में 26 जनवरी को इन्दौर में हो गया। आप स्व. श्री शिखरचंदजी दिवाकीर्ति की सुपौत्री थी। आपकी स्मृति में परिजनों ने समाज न्यास को 1100/– की राशि प्रदान की।

* डॉ. मुकेश, प्रवीण एवं राजेश जैन की माताजी **श्रीमती कमलाबाई** धर्मपत्नी स्व. प्रो. बाबूलालजी जैन का निधन 84 वर्ष की दीर्घायु में 13 फरवरी को उज्जैन में हो गया। आप सरल, स्वभावी महिला थी।

* श्री वीरेन्द्रकुमार की माताजी **श्रीमती सोनाबाई** स्व. श्री हरिशचंद जैन का निधन भोपाल में 22 फरवरी को हो गया है। आप धार्मिक एवं मृदुभाषी महिला थी। आपकी स्मृति में परिजनों ने इन्दौर समाज न्यास को 1001/– की राशि प्रदान की।

दिवंगत समाजजनों को गोलालारीय दर्शन परिवार अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

नोट – शोक संदेश पूर्ण जानकारी (सचित्र) के साथ भेजने पर ही प्रकाशन संभव हो पायेगा। संदेश वाट्सएप्प पर ना भेजें।– संपादक मंडल

सबका साथ, सबका विकास के आदर्श भावों के साथ सरकार अल्पसंख्यकों के जन कल्याणार्थ हेतु कटिबद्ध - डॉ. नजमा हेपतुल्ला

ऑल इंडिया जैन माइनॉरिटी (AIJMC) का प्रथम राष्ट्रीय अधिवेशन नेशनल माइनॉरिटी डेवलेपमेंट फायनांस कार्पोरेशन (NMDFC) एवं जीतो माइनॉरिटी सेल के संयुक्त तत्वावधान में दिल्ली के मिन्टो रोड़ स्थित केदारनाथ साहनी ऑडिटोरियम में हुआ । अधिवेशन के उद्घाटक के रूप में भारत सरकार की अल्पसंख्यक कार्यमंत्री डॉ. श्रीमती नजमा हेपतुल्ला की सादर उपस्थिति रही, अधिवेशन में अतिथि के रुप में श्री मेघराज जैन, पारस चैनल के चेयरमेन श्री पंकज जैन, अहिंसा बिल्डर ग्रुप के चेयरमेन विपिन जैन की भी उपस्थिति रही जबकि मार्गदर्शक के रुप में NMDFC के मैनेजिंग डायरेक्टर मो. शाहबाज तथा मौलाना आजाद एजुकेशन फाउंडेशन के सचिव श्री मधुकर नाईक उपस्थित रहे । श्री वी. भास्कर ने भारत सरकार की ओर से अल्पसंख्यक बिरादरी हेतु जन कल्याणार्थ योजनाओं पर प्रकाश डाला, अपने स्वागत भाषण में AIJMC के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ललित गांधी ने कहा कि करीब डेढ़ साल पहले हमने इस संगठन का गठन किया गया था, अब तक विभिन्न राज्यों में तकरीबन 200 शाखाओं की स्थापना हो गई है व जम्मू कश्मीर एवं केरल को छोड़कर तमाम राज्यों में इस संगठन का विस्तार कर दिया गया हैं, आगामी दिनों में शेष बचे दोनो राज्यों में इस संगठन की शाखाएं प्रारंभ हो जाएगी, तकरीबन 13 राज्यों से समाहित 400 सदस्यों को संबोधित करते हुए श्री ललित गांधी ने कहा कि इस संगठन की स्थापना के पीछे यह उद्देश्य था कि सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के लिए जारी कल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक जैन तक पहुंचाना व सरकार को जैन हितों की रक्षा कराने हेतु अवगत कराना । श्री गांधी ने अधिवेशन में मौजूद केन्द्रीय मंत्री डॉ. नजमा हेपतुल्ला का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि सरकार जैन ऐतिहासिक धरोहरों, तीर्थों आदि की सुरक्षा एवं उसके जीर्णोद्धार पर पूर्ण ध्यान दें । गत दिनों पाकिस्तान में एक जैन मंदिर को गिराए जाने के संबंध में पाकिस्तान को इस संबंध में कार्यवाई करने हेतु आग्रह किया । श्री गांधी ने कहा कि आये दिन जैन मंदिरों से प्रतिमाएं चोरी हो जाने की वारदाते घटित होती हैं, इस संबंध में कार्यवाही कर रोकथाम की जाए । उन्होंने कहा कि गत जनगणना में जैनों की संख्या 0.4 प्रतिशत के आस पास ही बताई गई हैं, जबकि जैनों की संख्या करोड़ों में है । अत: सरकार अपने स्रोतो से जैनों की जनगणना पुन: व्यवस्थित रुप से करावें, श्री गांधी ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित सरकार की प्रशंसा की कि इस सरकार के कार्यकाल में माइनारिटी से जुड़े मुद्दों को तीव्रता से ध्यान दिया जा रहा है। श्री गांधी ने कहा कि हम लोग अल्पसंख्यक विभाग की अध्यक्ष डॉ. नजमा हेपतुल्ला से अनेक बार मिले और उन्होंने हमारे द्वारा दिए गए सुझावों पर तुरंत गौर किया और उन सुझावों को अमली जामा पहनाने में बिल्कुल देर नहीं की, इस अवसर पर डॉ. नजमा हेपतुल्ला को सम्मानित किया गया। डॉ. नजमा हेपतुल्ला ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में सरकार 'सब का साथ, सबका विकास' के मूलमंत्र पर कार्य कर रही है । वर्तमान समय में मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, पारसी एवं जैनों को अल्पसंख्यकों की सूची में समाहित है । जैनों को सबसे अंत में दर्जा मिला हैं, आपने कहा कि जैन समाज दयालु और अहिंसक हैं तथा शाकाहारी है । मैं अणुव्रत आंदोलन एवं तेरापंथ धर्म संघ से भी परिचित रही हूँ । मैं जैन समाज द्वारा श्रवणबेलगोला में आयोजित एक कार्यक्रम में भी गई हूँ, तथा कंबोडिया जैसे देश में भी जैन समुदाय के लोग रहते हैं, जैन धर्म अत्यंत प्राचीन है, मैं इसी भारत की पैदाइश हूँ, मैं मुस्लिम हूँ लेकिन मेरी एक पहचान और भी है वह पहचान है कि मैं एक हिन्दुस्तानी हूँ, मैं मौलाना अब्दुल कलाम खान के परिवार से हूँ, मैं उन्हीं के आदर्श विचारों को लेकर पली एवं आगे बढ़ी । आपने कहा कि हम अलग अलग धर्म व अलग अलग सोच के भले ही हैं लेकिन अनेकता में एकता का मंत्र भी समाया हुआ है । डॉ. नजमा ने कहा कि जैन समाज का हाथ सदैव देने वालों की सूची में रहा है, लेने वालों में नहीं लेकिन प्रत्येक समाज में अमीर गरीब सभी तरह के लोग रहते हैं, अत: गरीबी रेखा के अंतर्गत रहने वालों की भी स्थिति का आकलन आवश्यक है एवं उनकी समस्याओं को दूर करना भी जरुरी है । इनके विकास के लिए मात्र सरकार के भरोसे ही नहीं रहना चाहिए, इनकी मदद एवं सहयोग के लिए समाज को भी आगे आना चाहिए । प्रधानमंत्रीजी ने कहा कि जब तक सबका विकास नहीं होता जब तक सफलता अधूरी है, प्रधानमंत्रीजी ने वादा किया है उसी के तहत हमने अल्पसंख्यकों से जुड़ी 86 लाख छात्रवृत्तियां प्रदान की है । इसमें अध्ययन, कोचिंग, विदेशों में पढ़ाई आदि से संबंधित है, जिसमें 46 प्रतिशत तो स्त्री शक्ति ही लाभान्वित हुई हैं, हमारे देश में राजा राममोहन रॉय ने महिलाओं की तरक्की व उनके अधिकारों हेतु संघर्ष किया । हमारी सरकार ने महिलाओं के स्वालंबन हेतु अनेक योजनाएं चलाई, इसी तरह एक छोटा व्यापारी भी अपने पांवों पर खड़ा हो और पर्याप्त रोजी रोटी कमाएं । माइनॉरिटी से जुड़े लोग अपने हुनर के बल पर व सरकार के सहयोग से अपना विकास करें । गुजरात में मुस्लिम बिरादरी के लोग भगवान के मुकुट बनाते हैं, सरकार की अनेक योजनाएं है जिनमें 'सीखो कमाओं' 'पढ़ो प्रदेश' 'नई रोशनी' आदि योजनाएं अल्पसंख्यकों के हितार्थ जारी की गई हैं । डॉ नजमा हेपतुल्ला ने कहा कि जैनों की जनसंख्या व धरोहरों तथा मंदिरों की रक्षा आदि मसले मेरे विभाग के अंतर्गत नहीं हैं, इसके लिए मानव संसाधन मंत्रालय, पुरातत्व आदि आदि अलग अलग विभाग हैं, मेरे विभाग से जुड़े मुद्दों के निवारण हेतु मेरे मंत्रालय के दरवाजे सदैव खुले हैं । इस अवसर पर मध्यप्रदेश से राज्य सभा सांसद श्री मेघराज जैन, पारस चैनल के श्री पंकज जैन, अहिंसा बिल्डर के श्री विनीत जैन तथा महिला प्रकोष्ठ की श्रीमती रुचिरा सुराणा ने भी अपने उद्गार व्यक्त किए ।

साभार – गणपत भंसाली, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य - आल इंडिया जैन माइनारिटी सेल

टी.वी. मोबाइल और इंटरनेट से हो रहा युवा पीढ़ी का पतन – आचार्य श्री ज्ञानसागर ।

बच्चो, अध्यापकों एवं अधिकारियों को किया सम्मानित ।

विशाल जैन पवा । तालबेहट । वीर बुन्देलखण्ड की पावन धरा पर स्थित सिद्धक्षेत्र पावागिरि जी में सराकोद्धारक राष्ट्र संत आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के ससंघ मंगलमय सानिध्य में क्षेत्रीय मेधावी एवं प्रतिभावान बच्चों, प्रधानाध्यापकों एवं अधिकारियों को सम्मानित किया गया । आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज का शुभागमन सिद्ध क्षेत्र पावागिरि जी की पावन धरा पर हुआ तो क्षेत्र प्रबंध समिति के तत्वावधान में भव्य आगवानी की गयी एवं मुनिश्री विप्र सागर जी महाराज ने चेलना नदी पहुंचकर आचार्य वन्दना की । गुरु भक्ति का विहंगम दृश्य देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गये एवं वातावरण सत्य, अहिंसा और आचार्य श्री के जयकारे से गूंज उठा । सिद्धक्षेत्र के द्वार आचार्य श्री पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती की गयी तत्पश्चात् अतिशय युक्त चमत्कारी बाबा मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ स्वामी का मस्तष्काभिषेक किया गया । दोपहर की बेला में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । जिसमें विकास खण्ड तालबेहट अन्तर्गत संकुल खांदी के 39 प्राथमिक, 15 पूर्व माध्यमिक एवं 13 मान्यता प्राप्त कुल 67 विद्यालय के 74 मेधावी एवं प्रतिभाशाली बच्चों, प्रधानाध्यापकों और वर्ष 2014-15 के हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले जैन समाज के बच्चों ने भाग लिया । कार्यक्रम के शुभारम्भ में सिद्धक्षेत्र के संरक्षक कैलाश चन्द्र जैन विश्व परिवार झांसी, पूर्व केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, सदर विधायक रमेश कुशवाहा, उपजिलाधिकारी रत्नाकर मिश्र, क्षेत्राधिकारी कुंवरबहादुर सिंह, सदर विधायक रमेश कुशवाहा, तहसीलदार प्रीति जैन सहित आगन्तुक विद्धानों ने मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ एवं आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का चित्र अनावरण कर ज्ञान दीप प्रज्वलित किया । मंगलाचरण, रश्मि दीदी एवं रजनी दीदी ने किया । इस अवसर पर आचार्य श्री ने सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास करने की बहुत आवश्यकता है। संस्कारों के अभाव में हमारा बच्चा देश की संस्कृति को भूलता जा रहा है। हमारा देश 75 प्रतिशत कृषि पर आधारित राष्ट्र है, जो जीविकोपार्जन का सबसे उत्तम साधन है । उन्होनें कहा कि आज के युग में टी.वी., मोबाइल और इण्टरनेट से युवा पीढ़ी का पतन हो रहा है । यह मानव जीवन के लिए बहुत बड़ा अभिशाप है । जिससे डिप्रेशन, टेंशन जैसी बीमारी शहर से गांव की ओर भी बढ़ती जा रही है । आचार्य श्री ने सात्विक भोजन करने का संदेश देते हुए कहा कि बड़े बड़े वैज्ञानिकों, डॉक्टरों ने भी शाकाहार को सर्वोत्तम आहार बताया है, जिसे विदेशियों ने भी स्वीकार कर लिया, लेकिन हमारे देश के निवासी भारतीय खानपान को भूलते जा रहे है । यह बहुत बड़ी चिंता का विषय है । उन्होंने कहा कि संडे हो या मंडे, कभी न खाओ अंडे, जो किसी भी दृष्टि से शाकाहार नहीं है । वह भी तुम्हारे बच्चे की तरह किसी जीव का अंश है । पुलिस अधीक्षक बालेन्दु भूषण सिंह ने कठिन परिश्रम को सफलता का मूल मंत्र बताया एवं बच्चों से जीवन में हमेशा कठिन परिश्रम करने का आव्हान किया तथा सम्मान समारोह के इस कार्य के लिए क्षेत्र प्रबंध समिति का अभिवादन किया । अंत में सभी बच्चों, शिक्षकों एवं अधिकारियों को सम्मान पत्र एवं पुरस्कार भेंट किये गये । इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य राजेशकुमार यादव, उदयप्रताप यादव, संकुल प्रभारी कृष्णचन्द्र दुबे, ऋषभकुमार, प्रवीण जैन झांसी, प्रेमचन्द्र नयाखेड़ा, राजकुमार पवा, शिखरचन्द्र कड़ेसरा, सिंघई सुमत, आनंद जैन, राकेश मोदी, विनोद बैरागी, अभयकुमार, सुकमाल बिरधा, अखिलेश जैन, विकास भंडारी, सौरभ जैन, प्रवीण कड़ेसरा आदि उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन ज्ञानचन्द्र पुरा एवं विशाल पवा ने संयुक्त रूप से किया । आभार व्यक्त जयकुमार कंधारी ने किया ।

विवाहोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ...

आयुष्मति रुचिका

सुपौत्री : सौ. चंदा-राजेन्द्रकुमार जैन
सुपुत्री : सौ. सुनीता-राजेश जैन
इन्दौर

का

शुभ विवाह

आयुष्मान सुशांत

सुपौत्र : सौ. विद्याजी-श्री देवकरणजी सुराणा
सुपुत्र : सौ. रजनीजी-श्री विमलजी सुराणा
झालावाड़

दिनांक 22 फरवरी को झालावाड़ में साआनंद संपन्न हुआ।

प्रतिष्ठान - * हीरालाल एण्ड संस, इन्दौर

विवाहोत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएँ

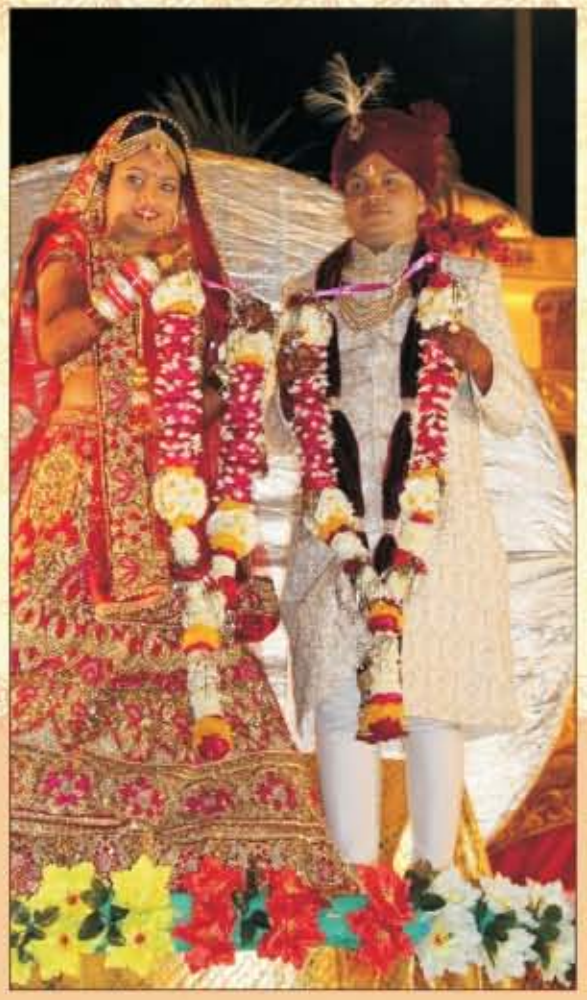

चि. शशांक (शनि)

सुपौत्र : स्व. श्रीमती गिरजादेवी-स्व. श्री कंघीलालजी जैन
सुपुत्र : श्रीमती सीमा-संतोषकुमार जैन (इन्दौर)

संग

सौ.कां. डॉ. प्रिंसी

सुपौत्री : श्रीमती मायादेवी-स्व. राजेन्द्रप्रसादजी जैन (अम्बाह)
सुपुत्री : श्रीमती रेखा-मुकेश कुमार जैन

का

परिणयोत्सव इन्दौर में दिनांक 22 फरवरी 2016 को
हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ ।

विवाहोत्सव की हार्दिक बधाई...

सौ.कां. निधि

सुपौत्री : स्व. दयाबाई-स्व. श्री परमानंदजी जैन
सुपुत्री : श्रीमती कल्पना-श्री रविन्द्रजी जैन
मऊरानीपुर, जिला-झांसी

संग

चि. अमित

सुपौत्र : स्व. शांतिदेवी-स्व. विनयचंद्रजी जैन
सुपुत्र : श्रीमती ऊषा-स्व. अनिलजी जैन
इन्दौर

का

मंगल परिणय

25 फरवरी 2016 को इन्दौर में हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न ।

नवदाम्पत्य की हार्दिक बधाई...

चि. सौरभ

सुपौत्र : स्व. सिं. शोभालाल- स्व. श्रीमती सगनाबाई जैन
सुपुत्र : सुरेशचन्द्र-सौ. सरोज जैन
(बंधीकला, छतरपुर वाले), आजाद नगर, इन्दौर

का शुभ विवाह

सौ.कां. पूजा

सुपौत्री : श्री हुकुमचंदजी-कुसुम जैन
सुपुत्री : स्व. श्री नरेन्द्रकुमारजी-पदमा जैन
(झांसी वाले), विजय नगर, इन्दौर

के साथ
11 फरवरी 2016 को
इन्दौर में साआनंद संपन्न हुआ ।

प्रतिष्ठान - * श्री पार्श्वनाथ डिपार्टमेंटल स्टोर * जैन श्री किराना स्टोर * जैन श्री आटा चक्की * जैन एव्हरफ्रेश
* सोनू किराना * जैन फ्लोअर मिल, इन्दौर * जैन कृषि फार्म (बंधीकला, छतरपुर)

नवदाम्पत्य की हार्दिक बधाई...

इंजी. बादल

सुपौत्र : स्मृतिशेष श्रीमती शांताबाई -परवचंद जैन, औवेदुल्लागंज
सुपुत्र : इंजी. बसंतकुमार-रितु जैन, भोपाल

संग

सौ.कां. सिम्मी

सुपुत्री : श्री सनतकुमारजी-सुमनजी जैन
बड़ाघर, विदिशा

का

पाणिग्रहण संस्कार

दिनांक 17 फरवरी 2016 को भोपाल में
साआनंद संपन्न हुआ ।

विवाह आयोजन सादगीपूर्ण वातावरण में दिन में ही संपन्न हुआ ।
वर वधू ने उच्च पदों पर रहते हुए भी विवाह समारोह को सादगीपूर्ण, सम्माननपूर्वक
दिन में आयोजित करवाकर विशालता का परिचय दिया, जिसकी सभी ने प्रशंसा की ।

मंगल परिणय की हार्दिक बधाई...

आयुष्मति रवीना

सुपौत्री : ज्ञानचंद-स्व. श्रीमती राजकुमारी जैन
सुपुत्री : रवीन्द्र-श्रीमती ममता जैन
झांसी

संग

का

आयुष्मान अनुराग

सुपौत्र : स्व. श्री नरेन्द्रकुमार-श्रीमती कमलादेवी जैन
सुपुत्र : श्री प्रदीपकुमार-रेखा जैन
झांसी

मंगल शुभ विवाह

24 फरवरी 2016 को झांसी में साआनंद संपन्न ।

शुभकामनाओं सहित...

श्रीमती गुलाबबाई (नानीजी)
श्रीमती शशि-विजयकुमार, श्रीमती सीमा-विनयकुमार सागर, राकेश जैन इन्दौर
श्रीमती शिल्पी-राजेश जैन ग्वालियर, श्रीमती निरुपमा-पदमकुमार भंडारी गंजबासौदा
श्रीमती अनुपमा-रजनीश जैन इन्दौर, विजित, रवीश जैन

गोलालारीय दर्शन के सहयोग के लिए आभार..

50 वीं विवाह वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएँ

8 फरवरी

यू हीं एक होकर, आप ये जिंदगी बिताएँ, खुशियों भरे पल आप दोनों एक साथ बिताएँ...

अशोक-लीला जैन 'ज़रीवाला'

लखेरवाड़ी, उज्जैन

शुभकामनाओं के साथ...

जीवनधर-सरोज जैन, चंदा जैन, निर्मलकुमार-उषा जैन
सुशीला जैन (बहन), उषा-राजेन्द्रकुमार जैन, अंजु-डॉ. राजेश जैन
राजेन्द्र-कल्पना जैन, आलोक-नीलम जैन, आशीष-प्रतिभा जैन
रश्मि-डॉ. आलोक, दीपा-अचल, अवनि-अंचल,
अविन, आरोही, अंतरा, आदिराज, अभिराज, अनवी, अर्नव

कोमलचंद-पुष्पा जैन

महावीर नगर, इन्दौर
अध्यक्ष - गोलालारीय जैन समाज

शुभेच्छु -

प्रकाशचंद-सरोज जैन, कैलाशचंद-सूरज जैन, निर्मलकुमार-मंजू जैन, रविन्द्रकुमार-अनुराधा जैन,
श्रीमती सुधा-सुरेशकुमार जैन (बहन)
श्रीमती मोनिका-दीपेश जैन, श्रीमती सोनिका-अरविन्द जैन, श्रीमती रोहिता-संदीप जैन
श्रीमती चारु-अनुपम जैन, आशीष-डॉली जैन, श्रीमती मनीषा-अजीत जैन
श्रीमती अवनिका-देवेन्द्र जैन, मनोज, राहुल, विशाल, आयुष, सम्यक, पूर्वा जैन

बायोडॉटा प्रारुप का विवरण

1. क्रमांक	9. वर्ण
2. प्रत्याशी का पूरा नाम	10. व्यवसाय
3. स्वयं / मामा का गोत्र	11. वार्षिक आय
4. जन्म दिनांक	12. कुंडली मिलान
5. जन्म समय	13. मंगली
6. जन्म स्थान	14. पत्र व्यवहार का पता
7. शिक्षा	15. फोन / मोबाईल नं.
8. कद / वजन	16. प्रत्याशी का ईमेल

प्रत्याशी का नवीन फोटो

1. 001	
2. **अंकित राजेन्द्रभाई जैन**	
3. पटवारी /	
4. 13.12.89	11. 3.00 लाख
5. 21.05	12. -
6. अहमदाबाद	13. -
7. बी.ई. मेकेनिकल	14. 191/3, गजराज सोसायटी, चांदलोडिया, अहमदाबाद
8. 5'11''/-	
9. गेहुँआ	15. 8460600692
10. सर्विस	16. mechankit_7001@gmail.com

1. 002	
2. **यतीन्द्र (राहुल) चन्द्रमोहन जैन**	
3. गोंठ/फणीश	
4. 11.09.86	11. 5.00 लाख
5. 4.25	12. -
6. जरुआखेड़ा	13. नहीं
7. एम.ए, बी.एड	14. मु. पो. जरुआखेड़ा (सागर)
8. 5'10''/-	
9. गोरा	15. 07879101114, 7584273273
10. अतिथि शिक्षक	16. -

1. 003	
2. **अंशुल केवलचंद्र जैन**	
3. बिलाऊआ/भंडारी	
4. 20.10.85	11. 3.72 लाख
5. 7.00	12. हाँ
6.	13. -
7. एम.ए, एम.एस.डब्लू	14. ग्राम पोस्ट ककरहटी जिला पन्ना
8. 5'6''/-	
9. गोरा	15. 9993404942, 08959231857
10. सर्विस – बैंक	16. -

1. 004	
2. **सौरभ राजकुमार जैन**	
3. बिलौआ/पंचरत्न	
4. 11.11.86	11. 2.50 लाख
5. 6.15	12. हाँ
6. देवेन्द्र नगर (पन्ना)	13. हाँ
7.	14. जैन आयल मिल, सलेहा रोड चदनी चौक, देवेन्द्र नगर, पन्ना
8. 5'8''	
9. गोरा	15. 9806781616, 9806706311
10. व्यवसाय आयल मिल	16. -

1. 005	
2. **आकाश विमलकुमार जैन**	
3. पंचरत्न/वैद्य	
4. 21.11.85	11. -
5. -	12. -
6. ब्रजपुर, पन्ना	13. -
7. एम.कॉम	14. ब्रजपुर, पन्ना (म.प्र.)
8. 5'4''	15. 7389993460, 9993457950
9. गोरा	16. -
10. सर्विस– आईटीसी, इन्दौर	

1. 006	
2. **संजना मक्खनलाल जैन**	
3. लांगुर/पंचरतन	
4. 14.02.93	11. 2.00 लाख
5. 13.11	12. -
6. इन्दौर	13. -
7. बी.कॉम, एम.बी.ए	14. ई 75/III, लवकुश आवास विहार सुखलिया, इन्दौर
8. 5'3''/-	
9. गोरा	15. 7803815228
10. सर्विस	16. -

1. 007	
2. **पार्श्व श्रेयांसकुमार जैन**	
3. वैद्य/पवैया	
4. 10.04.87	11. 6 अंको में
5. 11.52	12. हाँ
6. -	13. -
7. बी.ई. (ई.सी.)	14. 841, अंबिका नगर ओढव, अहमदाबाद
8. 5'3''	
9. साफ	15. 9979999065, 9376970116
10. सर्विस एरिक्सन इंडिया	16. -

1. 008	
2. **सुशील सुरेशचंद जैन (विधुर)**	
3. पटवारी/पंचरत्न	
4. 02.07.83	11. 6.00 लाख
5. 5.10	12. -
6. इन्दौर	13. -
7. बी.कॉम	14. 40, आजाद नगर, मूसाखेड़ी रोड, इन्दौर
8. 5'7''	
9. गेहुँआ	15. 9753271580, 9424012460
10. व्यापार	**नोट – 2 बच्चे**

1. 009	
2. **Shrish Shikhar Jain**	
3. जाखेरिया/पवैया	
4. 01.11.86	11. 4.92 लाख
5. 8.00	12. -
6. कुरवई	13. -
7. बी.फार्मा	14. प्रथम लाइन, मंडी बामौरा जिला सागर
8. 5'5''/-	
9. गोरा	15. 9993159399, 7828473020
10. सर्विस–एम.आर. सनफार्मा	16. -

1. 010	
2. **श्रीनिकेत श्रीनिवास जैन**	
3. गुड़ारे/बासेमूरी बाझल	
4. 27.09.88	11. 6 अंको में
5. 14.10	12. -
6. अकलतरा	13. -
7. बी.कॉम, एम.बी.ए	14. मस्जिद रोड, अकलतरा जिला जांजगीर चाम्पा
8. 5'11''	
9. गोरा	15. 9827430967, 9300364043
10. प्रोव्हिजन स्टोर्स	16. -

1. 011	
2. **अनुषा पदमचंद भंडारी**	
3. भंडारी/सिंघई	
4. 3.09.86	11. 1.80 लाख
5. 11.45	12. हाँ
6. छतरपुर	13. नहीं
7. बी.ई. (इलेक्ट्रीकल)	14. गीता टॉकिज के पास, अम्बेडकर चौक, गंजबासौदा
8. 5'3''	
9. गोरा	15. 9977381101
10. कोचिंग	16. -

गोलालारीय दर्शन परिवार को सहयोग राशि प्रदान करने वाले महानुभाव...

शिरोमणि संरक्षक – श्री अशोकुमार जैन जरीवाला, उज्जैन

परम संरक्षक – ※ श्री विनोदकुमार जैन, खजुराहो ※ श्री राजेशकुमार जैन बीड़ीवाले, झांसी ※ श्री प्रकाशचंद जैन, झांसी

संरक्षक – ※ श्री रवीन्द्र जैन भेल, झांसी ※ श्री प्रेमचंद जैन, डबरा ※ श्री सुरेन्द्र पंचरत्न, सागर ※ श्री सुरेन्द्रकुमार जैन, बमौरकला

विशेष सहयोगी – ※ श्री सुधीर जैन, सनावद ※ श्री मनीष जैन, झांसी ※ डॉ. राजेन्द्रप्रसाद जैन, नागपुर ※ श्री संतोषकुमार जैन, बेड़िया ※ श्री अरविन्द जैन बरौदावाले, ललितपुर

आजीवन सदस्य – ※ श्री कन्छेदीलाल जैन, विदिशा ※ श्री महेशकुमार जैन, विदिशा ※ श्री अरुणकुमार जैन, डिण्डोरी ※ श्री दिनेशकुमार जैन, अहमदाबाद ※ श्री राजकुमार जैन, तालबेहट ※ श्री वीरेन्द्र कुमार जैन, करैरा ※ श्री प्रेमचंद जैन, नयाखेड़ा (दतिया) ※ श्री शिखरचंद जैन, खनियाधाना ※ श्री नेमीचंद जैन, सागर ※ श्री राकेशकुमार जैन, इन्दौर ※ श्री प्रेमचंद जैन, भोपाल

नोट – शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक, (सपत्नीक फोटो) एवं संरक्षक व विशेष सहयोगी अपनी व्यक्तिगत जानकारी (बायोग्राफी) अतिशीघ्र भेजें ताकि आगामी अंक में आपका परिचय प्रकाशित किया जा सके।

स्थानाभाव के कारण हम प्राप्त प्रविष्टियों के सभी प्रत्यशि के चित्र प्रकाशित नहीं कर पा रहे है, जिसका हमें हृदय से खेद है। आप अपना स्नेह बनाये रखे ताकि आगामी अंक में आपका भी चित्र प्रकाशित हो सके। **शब्दजाल –12 का परिणाम –** 1) आकाश जैन गंजबासौदा 2) सुनील जैन विदिशा 3) दीपक जैन विदिशा 4) खुशबू जैन विदिशा 5) श्रीमती सुशीला जैन विदिशा 6) श्रीमती उषा राजेन्द्र जैन उज्जैन 7) सोमिल जैन गंजबासौदा 8) श्रीमती अर्चना जैन गंजबासौदा 9) संगीता जैन इन्दौर 10) इंजी. वीरेन्द्र भंडारी विदिशा 11) श्रीमती आरती जैन नागपुर 12) श्री प्रेमचंद जैन भोपाल 13) श्रीमती राजकुमारी जैन बवीना कैंट 14) श्रीमती वंदना जैन भोपाल 15) संगीता सुनील जैन इन्दौर 16) संदीप जैन जबलपुर 17) गुलाबचंद जैन ललितपुर 18) वंश पंचरत्न इन्दौर 19) श्रीमती सविता जैन विदिशा 20) अर्चित जैन ललितपुर 21) ओजस जैन ललितपुर 22) निशिका जैन विदिशा 23) प्रीति जैन विदिशा 24) तनिष्का जैन विदिशा 25) प्रेमचंद जैन विदिशा 26) आयुष जैन विदिशा 27) श्रीमती साधना जैन विदिशा 28) हर्ष जैन विदिशा 29) कन्छेदीलाल जैन विदिशा 30) श्रीमती सीमा जैन विदिशा

नवदाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएँ

डॉ. अर्पित

सुपौत्र : स्व. श्रीमती सावित्री–स्व. श्री बाबूलाल जैन 'पंचरत्न'
सुपुत्र : डॉ. ममता–ज्ञानेश जैन, भोपाल
नाती : स्व. श्रीमती शांतिदेवी–स्व. श्री परवचंद जैन 'वैद्य'

का परिणय

सौ.कां. डॉ. अंशु

सुपौत्री : स्व. श्रीमती शकुंतला – स्व. श्री निरंजनदासजी
सुपुत्री : श्रीमती विजयलक्ष्मी–सुशील सिंगला
नातिन : स्व. श्रीमती विमला–श्री हेमराजजी

के साथ दिनांक 4 फरवरी 2016 को मोहाली में संपन्न हुआ।

इन्दौर समाज की पारिवारिक निर्देशिका का कार्य अंतिम दौर में

इन्दौर गोलालारीय समाज द्वारा पारिवारिक निर्देशिका 2016 का कार्य अंतिम दौर में चल रहा है इस निर्देशिका में इन्दौर के साथ मालवा एवं निमाड़ क्षेत्र (उज्जैन, देवास, शाजापुर, शुजालपुर, सीहोर, खण्डवा, खरगोन, धार, मंदसौर, रतलाम, नीमच) में निवासरत गोलालारीय परिवारों की पूर्ण जानकारी प्रकाशित की जावेगी । संयुक्त परिवार के प्रत्येक विवाहित सदस्य को पृथक फार्म भरना है ताकि उस सदस्य के ससुराल पक्ष का पूर्ण विवरण प्राप्त हो और सदस्य का सपत्नीक चित्र भी प्रकाशित हो सके । इन्दौर नगर की 10 वर्षों बाद प्रकाशित होने वाली इस निर्देशिका में जो नवीन परिवार इन वर्षों में रहने आए है वे और शिक्षा व व्यवसाय के उद्देश्य से नगर में निवास कर रहे एकल सदस्य भी अपनी प्रविष्टि न्यास कार्यालय 64, न्यू देवास रोड़ या समाज पदाधिकारी तक अवश्य देवे । इन्दौर नगर व मालवा निमाड़ में जो भी परिवार आपके परिचय में है उन्हें इस निर्देशिका की सूचना अवश्य देवें ताकि उनका नाम शामिल किया जा सके । आप अपने परिचित परिवार की सूचना समाज के मोबाइल नंबर 9407453066 (यह फोन चर्चा हेतु उपलब्ध नहीं है) पर एस.एम.एस. या वाट्सएप्प से मैसेज दे सकते है । समाज प्रतिनिधि उनसे संपर्क कर पूर्ण जानकारी प्राप्त कर लेंगे । अधिक जानकारी हेतु संपर्क करे - कोमलचंद जैन 9329524227, बाहुबली जैन 9425903301, राजेन्द्र जैन 9406744064 * जनगणना फार्म www.golalariya.com पर उपलब्ध है ।

अति प्राचीन जैन मंदिरजी के पुर्ननिर्माण हेतु सहयोग की अपील -

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा । जिन शासक प्रभावक एकमात्र जिनालय ही होता है । जिसकी पुनीत छाँव में पाप कालिमा धुल जाती है और स्वर्ग मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है । मंदिर निर्माण एवं मूर्ति विराजमान करने वाले सातिशय पुण्य का अर्जन करते हैं। दसवें तीर्थंकर भगवान शीतलनाथ के गर्भ, जन्म, तप, केवलज्ञान चारों कल्याणकों से सुशोभित भद्दलपुर (विदिशा) नगरी के अंचल में स्थित गंज बासौदा के हृदय स्थल गाँधी चौक में 550 वर्ष प्राचीन श्री 1008 श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के जीर्णोद्धार/ पुर्ननिर्माण का कार्य संत शिरोमणी दिगम्बराचार्य परम पूज्य 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं उन्ही के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 अजित सागर जी महाराज एवं पूज्य ऐलक श्री 105 विवेकानन्दसागर जी महाराज की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में प्रगति पर है ।

मंदिर जी में मूलनायक भगवान श्री आदिनाथ जी की अति प्राचीन, अतिशयकारी, मनोज्ञ प्रतिमा एवं भव्य समवशरण विराजित है। मंदिर जी में सोलहवीं, सत्रहवीं एवं अठारहवीं शताब्दी के 535 हस्त लिखित संस्कृत, प्राकृत, अर्द्धमाग्धी, अपभ्रंश व हिन्दी भाषा के ग्रन्थ पूर्व में मंदिर जी के आधार तल में सुरक्षित मिले थे । मंदिर जी में उक्त हस्तलिखित ग्रन्थ व शास्त्रों से परिपूर्ण आचार्य श्री ज्ञानसागर जी ग्रन्थालय है । अभी तक मंदिर जी का दो मंजिल का कार्य पूर्ण हो गया है । वेदी निर्माण व मान स्तम्भ का भी कार्य पूर्ण हो चुका है । फ्लोरिंग का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। शिखर,गर्भगृह प्रवेश द्वार,मुख्य प्रवेश द्वार, दीवारों पर लाल पत्थर की प्लेटिंग इत्यादि कार्य होना बाकी है ।

साथ ही गाँधी चौक जैन मंदिर में अभी तक साधु सन्तों के रुकने आदि की व्यवस्था नहीं थी अतः अभी अभी मंदिर समिति ने सर्वसम्मति से मंदिर जी के ठीक सामने 4800 स्का. फीट का एक प्लाट खरीदा है । जिसकी टोकन मनी(ब्याना राशि) दे दी गई है । कुछ समय पश्चात् एक बड़ी राशि देकर रजिस्ट्री कराना बाकी है । इस प्लाट पर भविष्य में संत निवास का निर्माण करने की योजना है ।

यह सभी कार्य आप सभी के आर्थिक सहयोग के बिना सम्भव नहीं है । अतः आप सभी से मंदिर निर्माण समिति निवेदन करती है कि उदार मन से दान राशि प्रदान कर निर्माण कार्य में सहयोग करने की कृपा करे ।

मंदिर समिति के अध्यक्ष श्री नेमीचन्द जी एडवोकेट द्वारा समय समय पर समाज के विभिन्न नगरों के महानुभावों से सहयोग के लिए अनुरोध करते रहे है । जिससे कई नगरों से दान राशियों की स्वीकृतियाँ प्राप्त हुई है । अभी विगत दिनों श्री पावागिरि जी के वार्षिक मेले में भी समाज के वरिष्ठ जनों से भी आर्थिक सहयोग की अपील की गई थी । जिसमें भी कई महानुभावों द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है ।

गोलालारीय दर्शन पत्रिका के माध्यम से स्वीकृतियाँ प्रदान करनें वालों महानुभावो को स्मरण दिलाना चाहता हूँ कि शीघ्र अतिशीघ्र अपनी अपनी राशियाँ श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर समिति के बैंक खाता क्रं. 33841016055 भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा गंजबासौदा में जमा कर समिति के 1)अध्यक्ष श्री नेमीचन्द जी एडवोकेट मो.नं. 94251-50286 व 2) महामंत्री श्री सिद्धार्थ जी भुजंग मो.नं. 98937-79177 को सूचित करे । जिससे आपको दान राशि की रसीद शीघ्र भेजी जा सके।

परम संरक्षक
श्री प्रकाशचन्द-निर्मला जैन, झांसी

आपका जन्म ग्राम टूँका, जिला झांसी में 22 अप्रैल 1940 को हुया । आपकी प्रारंभिक शिक्षा ग्राम में ही हुई। झांसी से स्नातक कर 1962 में लखनऊ विश्वविद्यालय से एल.एल.बी. किया । आपका विवाह 1964 में अहमदाबाद के श्री जगदीशप्रसादजी की सुपुत्री निर्मलादेवी से हुआ । आप तीन बार झांसी समाज के अध्यक्ष रहे है । वर्तमान में भी अध्यक्ष पद को सुशोभित कर रहे है । समाज समिति के अंतर्गत अतिशय क्षेत्र करगुवाँजी, झांसी तथा अतिशय क्षेत्र प्यावलजी जिला दतिया आता है । आप डिवीजन बार एसोसिएशन कमिश्नरी झांसी के अध्यक्ष रहे है । सामाजिक कार्यो के साथ आप धार्मिक कार्यों में विशेष रुप से अपना सहयोग देते है। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला जैन धार्मिक महिला है, आप मुनिसेवा आहार व अन्य धार्मिक कार्यों में सदैव अग्रणी रहती है । पुराने मंदिरों के जीर्णोद्धार में आप सहयोग करती रहती है व आप पाँच प्रतिमाधारी है। पूजन स्वाध्याय एवं सामायिक में अपना दैनिक जीवन व्यतीत कर रही है ।

विशेष सहयोगी - मनीष जैन, झाँसी

आपका जन्म 1974 में झाँसी में हुआ। आपके पिताजी एडव्होकेट श्री प्रकाशचंदजी जैन झाँसी जैन समाज के अध्यक्ष है । आप जैन क्लासिक इंस्टीट्यूट झांसी के निदेशक है, जहां प्री इंजीनियरिंग एक्ज़ाम (जेईईई मेन्स एण्ड एडवांस व प्री मेडिकल एक्ज़ाम (एआईआईएमएस व एआईपीएमटी) के लिए गत 20 वर्षों से रसायन विज्ञान विषय पर विद्यार्थियों को तैयारी करवा रहे है । आप भारतीय जनता पार्टी व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े है

नोट - शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक, संरक्षक व विशेष सहयोगी सदस्यों से सादर अनुरोध है कि वे अपनी जीवन परिचय हमें अतिशीघ्र भेजें ताकि यथायोग्य स्थान होने पर प्रकाशित किया जा सके ।

प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान समारोह सम्पन्न

शान्तिकुमार जैन, गंजबासौदा । श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज गंजबासौदा द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन जैनम स्कूल में आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री शान्ति कुमार जैन गंजबासौदा, श्री डॉ. अनिल जैन दिवाकीर्ति कार्याध्यक्ष श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज गंज बासौदा द्वारा की गई । अतिथि के रुप में महामंत्री श्री शिखरचन्द जी जैन, कोषाध्यक्ष श्री रमेश जी भण्डारी व पवन जैन (पवन प्रिंटिंग प्रेस) द्वारा की गई इस समारोह में प्रतिभाशाली बच्चों को गोलालारीय दर्शन द्वारा प्रेषित प्रशस्ति पत्र व श्री नन्दन लालजी दिवाकीर्ति की स्मृति में स्मृति चिन्ह उनके पुत्र डॉ. अनिल जैन दिवाकीर्ति द्वारा प्रदान किये गये । इस सफल कार्यक्रम की श्री दिगम्बर जैन समाज गंज बासौदा द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गई व भविष्य में ऐसे कार्यक्रम होते रहे है, इसकी अपील की गई । कार्यक्रम में श्री डॉ. अनिल जैन द्वारा सभी बच्चों को बधाई दी गई व सभी महानुभाव को नववर्ष की शुभकामनायें दी। श्री शान्तिकुमार जी द्वारा कक्षा 1 से 12 तक के निर्धन बच्चों को स्कूल फीस व पुस्तकें भी प्रदान की जाने की व्यवस्था है, की जानकारी दी गई । इस कार्यक्रम का सफल संचालन श्री अहमेन्द्र जी द्वारा किया गया । व मंगलाचरण बिटिया प्रांशी जैन पिता श्री जितेन्द्र जी जैन गाँधी चौक द्वारा किया गया । कार्यक्रम पश्चात् उपस्थित समाजजनों को अल्पाहार की भी व्यवस्था की गई थी ।

पं. चैनसुखदास व्याख्यानमाला संपन्न

कुलेश जैन, जयपुर । ''जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृति विश्वविद्यालय में जैन दर्शन का अध्ययन/अध्यापन इसी सत्र से प्रारंभ कर दिया जायेगा ।'' उक्त घोषणा संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद शास्त्री ने श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में आयोजित पं. चैनसुखदास स्मृति व्याख्यानमाला 2016 के अवसर पर की । मुख्य वक्ता डॉ. कपूरचंद जैन, अध्यक्ष संस्कृत विभाग, श्री कुंद कुंद जैन पी.जी. कॉलेज खतौली ने 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में राजस्थान जैन समाज का योगदान' विषय पर लगभग एक घण्टे का व्याख्यान दिया । उन्होंने बीस जैन शहीदों तथा विशेष रूप से राजस्थान के उदयपुर के दो जैन शहीदों आनन्दी और शान्ति का परिचय देते हुए कहा कि ये दोनों शहीद अभी तक अज्ञात हैं, 18-20 साल की अल्पवय में दोनो उदयपुर में गोली लगने से शहीद हो गये थे । दोनों के स्टेच्यू दिल्ली दरवाजा के गेट पर लगे हुए हैं । भारत की प्रथम स्वतंत्रता सेनानी होने का गौरव प्राप्त करने वाली उल्लाल (मेंगलुरु-कर्नाटक) की जैन रानी अब्बक्का का उल्लेख किया । जो सोलहवीं शताब्दी में पुर्तगालियों से लड़ते लड़ते शहीद हो गई थी । राजस्थान के 50 जैन जेलयात्रियों का विस्तार से परिचय तथा सैकड़ो जैनों का नामोल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे शहीदों तथा जेलयात्रियों के अवदान पर ही आज हमारी स्वतंत्रता का भव्य प्रसाद खड़ा हुआ है ।

पं. चैनसुखदास का स्मरण करते हुए डॉ. जैन ने कहा कि पंडितजी ने राष्ट्रीयता की जो परिभाषा - 'प्रत्येक देश को स्वाधीन रहने का जन्मसिद्ध अधिकार है, उस अधिकार को जो छीनना चाहे उसका संपूर्ण शक्ति लगाकर सामना करना ही राष्ट्रीयता है' (जैन संदेश, 1 जनवरी 1947) वह आज भी राष्ट्रीय भावना विकसित करने में संजीवनी का काम करती है । प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री नरेश कुमार सेठी ने कहा कि प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली इस व्याख्यान माला से जैन संस्कृति के अनछुए पहलु प्रकाशित हुए हैं । उपाध्यक्ष श्री महेन्द्रकुमार पाटनी ने राष्ट्रीय विचार पर होने वाले व्याख्यान को महती उपलब्धि बताया । मंत्री श्री महेशचन्द्र चांदवाड़ ने कुलपतिजी और अतिथियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय का परिचय दिया । प्राचार्य डॉ. शीतलचन्द जैन ने पं. चैनसुखदासजी का परिचय देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया । इस अवसर पर राजस्थान के उनके सभ्रांत महानुभावों, विद्यार्थियों के साथ जैन ग्रंथों का रशियन भाषा में अनुवाद करने वाली प्रो. नातालिया विशेष रुप से उपस्थित थी ।

ग्रामीण अंचल में जैन धर्म और शिक्षा की अलख जगाता

ज्योति जैन, खतौली । हाल ही में वही पार्श्वनाथ चौपाटी क्षेत्र जाने का अवसर मिला । यह क्षेत्र आचार्य कल्याणसागरजी महाराज (णमोकार मंत्र वाले) की साधना स्थली रहा है । उनके णमोकार मंत्र की सतत साधना के परमाणु पूरे क्षेत्र में विद्यमान हैं । यह स्थान जिला मंदसौर (म.प्र.) से 14 कि.मी. मुख्य सड़क मार्ग पर स्थित है । इस तीर्थ स्थान पर भगवान पार्श्वनाथ स्वामी का विशाल मंदिर, समवशरण मंदिर, भ. मुनिसुव्रतनाथ की विशाल प्रतिमा एवं सोनगिरीजी, शिखरजी आदि की रचनायें विद्यमान हैं । वातावरण सुख व शांति प्रदान करता है तथा श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है । आचार्य सुनीलसागरजी महाराज ससंघ यहां विराजमान थे, उनका स्वाध्याय, संयम साधना और श्रुताराधना उनके मुनि धर्म को श्रेष्ठ बना रही है। अ.भा. दि. जैन विद्वत परिषद का अधिवेशन आचार्य श्री के सानिध्य में संपन्न हुआ । सभी विद्वानों को उनका मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ । अध्यक्ष डॉ. जयकुमार एवं महामंत्री डॉ. सुरेन्द्र भारती के आव्हान पर सभी विद्वानों ने आचार्यश्री का आचार्य पदारोहण दिवस मनाया । पास में ही जैन समाज द्वारा संचालित दि. जैन हायर सेकेण्डरी स्कूल है। वर्तमान में लगभग दो हजार छात्र छात्रायें यहां शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

शिक्षा बच्चों का शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक विकास करती है इसी पहलू को ध्यान में रखते हुए श्री विजेन्द्रकुमार सेठी ने अपने अथक प्रयासों से 2004 में इस विद्यालय की स्थापना की । स्कूल स्थापना के मूल में जैन छात्र छात्राओं को शिक्षित करना तो था ही साथ ही आस-पास के 40 गांवों के उन ग्रामीण बच्चों को भी शिक्षित करना था जहां कोई साधन नहीं है । स्कूल बस से यह बच्चे आते हैं और बिना किसी भेदभाव के यहां शिक्षा पाते हैं। यह सभी बच्चे मंदिरजी में दर्शन करने जाते है । 'णमोकार महामंत्र', 'मेरी भावना' और 'गायत्री मंत्र' से स्कूल की शुरुआत होती है । नर्सरी से कक्षा बारहवीं तक की पढ़ाई यहां होती है । साइंस, कामर्स, मैथ आदि सभी विषय योग्य अध्यापकों द्वारा पढ़ाये जाते हैं । हिन्दी-अंग्रेजी दोनों पढ़ाई के माध्यम हैं। 10-12वीं बोर्ड के रिजल्ट शत प्रतिशत होते है । सर्वोत्तम अंक प्राप्त बच्चों को पुरस्कृत किया जाता है । राष्ट्रीय पर्वो के साथ अनेक सांस्कृतिक गतिविधियों को यह विद्यालय संचालित करता है । भाषा और लेखन पर विशेष ध्यान दिया जाता है । श्री शांतिलालजी बड़जात्या, श्री नेमिचंदजी तन-मन-धन से अपना सहयोग दे रहे हैं । वर्तमान में प्रधानाचार्य श्री प्रतापसिंह मारु के नेतृत्व में विद्यालय दिन प्रतिदिन प्रगति कर रहा है । यहां का जैन समाज भी विद्यालय को आर्थिक सहायता प्रदान करने में पीछे नहीं रहता है ।

ज्ञानदान श्रेष्ठतम दान है । इसके द्वारा एक पूरे जीवन का निर्माण होता है । पूज्य गणेशप्रसादजी वर्णी ने जैन समाज में शिक्षारुपी जो अंकुर बोया था आज वह पल्लवित और पुष्पित होकर अनेक नगरों में फलदायक वृक्ष के रुप में सामने आ रहा है, छात्र-छात्रायें अनेक क्षमताओं और गुणों के धनी होते हैं। शिक्षा के माध्यम से ही उनकी प्रतिभा उजागर होती है। आइये हम भी विद्यालय/विद्यार्थियों से जुड़े, उनका सहयोग करें ताकि समाज में नयी चेतना का विकास हो, समाज सशक्त बने एवं धर्म संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ देश और राष्ट्र का चहुँमुखी विकास हो । भारत विश्व में महाशक्ति बनकर उभरे । - संपादिका, जैन संदेश, खतौली

समाज की महिलाओं व युवा पीढ़ी से अनुरोध है कि वे अपनी कवितायें, कहानी, लेख हमें अपने चित्र सहित प्रकाशन हेतु भेज सकते है । योग्य रचना को आगामी अंक में प्रकशित किया जावेगा ।

पत्र सम्पादक के नाम...

गोलालारीय दर्शन द्वारा ''प्रयास'' पत्रिका का प्रकाशन किया है । जो बहुत ही सराहनीय एवं संबंधों को जोड़ने वाली अनूठी कड़ी सिद्ध होगी, ऐसी हमारी शुभकामनायें है । विमोचन के समय मैं व्यक्तिगत कारणों से कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सका जिसके लिए मुझे खेद है । मैं वीरप्रभु से कामना करता हूँ कि आपकी संस्था दिनोंदिन उन्नति के शिखर पर अग्रसर हो । ऐसी शुभकामनाओं के साथ बहुत बहुत बधाई ।

- अरविन्द जैन, जबलपुर

गोलालारीय दर्शन का दिसम्बर अंक प्राप्त हुआ, मुखपत्र नए कलेवर में अच्छा लगा । प्रयास रिश्तों को जोड़ने की अविस्मरणीय झलकियां बहुत सुंदर है । मैं संपादक महोदय का हृदय से आभारी हूँ जो उन्होंने पाठकों के मन की बात सुनकर शब्दजाल पहेली के सही उत्तर देने वालों प्रत्याशी के फोटो प्रकाशित कर सुझाव को मान लिया ।

- आकाश जैन, विदिशा

''प्रयास'' रिश्तों को जोड़ने का... प्रथम प्रयास 'गोलालारीय दर्शन' पत्रिका के पदाधिकारियों के माध्यम एवं अथक परिश्रम द्वारा श्री पवाजी सिद्ध क्षेत्र में सफल आयोजन कर ''प्रयास'' पत्रिका का विमोचन कर गोलालारीय जैन समाज के लिये अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है । साथ श्री राजेन्द्र बागोजी व संपादक समिति ने उक्त सम्मेलन में आमंत्रित कर हम सभी का सम्मान किया, इसके लिए हम सभी समिति के आभारी है । हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि समिति का निरंतर प्रयास निश्चित रुप से ''प्रयास'' पत्रिका को एक नये आयाम की ओर अग्रेसित करेगा ।

वर्तमान में 'प्रयास' पत्रिका विभिन्न शहरों एवं गांवों में समस्त अभिभावकों तक पहुंच चुकी है । अब आपके प्रयास को सार्थक करना युवक युवतियों के अभिभावकों का एवं उनका है जो रिश्तों को रिश्तों से जोड़ने संलग्न है । अब अभिभावकों को भी अपनी पुरानी सोच एवं दकियानूसी विचारों को दरकिनार कर नई दिशा में सोचना होगा ।

महानगरों में रहने वाले नगर में, नगर में रहने वाले गांवों में संबंध करने से कतराते है । यहां तक तो फिर भी ठीक है परन्तु गांवों में रहने वाले गांवों में संबंध नहीं करना चाहते । यही कारण है आसानी से संबंध नहीं हो पा रहे है । अन्य और भी विसंगतियां हमारे समाज में फैली हुई है जिन्हें व्यक्तिगत रुप से प्रयास कर दूर करने की आवश्यकता है । अन्यथा वर्तमान में जिस गति से अंर्तजातीय विवाह हो रहे है भविष्य में इसकी अधिकता की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता ।

- निर्मल पंचरत्न, डोंगरगढ़

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

उड़ने लगी तितलियाँ

''यूं ही नहीं खिलते फूल, सपनों की झोली में, इरादों का खाद पानी मिलाना होता है।
दूसरों से जलने कुढ़ने से कुछ नहीं होगा, अपनी राहों को खुद रोशन करना होगा ।।''

यूं तो दुनिया की आधी आबादी के बारे में आपने बहुत कुछ पढ़ा, सुना, महसूस किया होगा । मैंने भी कुछ सोचा है । नारी संपूर्ण सृष्टि की पहली पहचान है, धार्मिक स्नेह से परिपूर्ण बहन, जीवन रुपा देने वाली मां, जीवन के हिचकोलो में साथ देने वाली पत्नी, घर को चहचहाने वाली बेटी, परिवार, समाज को संस्कार देने वाली नारी... जहां शिशु को थपकी देकर सुलाती है वहीं जीवन के रण में कुशल योद्धा भी तैयार करती है । वह सहनशीलता के साथ जहां जरुरी है वहां तार्किक भी होती है । फिर भी संसार की यह रचियता दम्भ की मारी नहीं, उसका आत्मविश्वास किसी को चुनौती नहीं देता । अगर हाथ उठाये तो पर्वत भी सकुचाकर परे हो जाये, पर वह केवल नमन करती है । अपनी क्षमताओं को चुनौती देने वाले को यदि ललकारे तो आसमां भी थर्रा जाये पर वह मौन रहती है ।

हम ऐसे समाज में रहते है जहां नैतिकता और आदर्शवादिता बनाई तो पुरुषों द्वारा जाती है पर उस पर चलती महिलाएं है इसलिए नहीं कि वे संकीर्ण मानसिकता की है बल्कि अपितु कि वे समाज को सभ्य देखना चाहती है ।

आज चारों ओर एक ही गूंज कि महिलाओं को आगे बढ़ाओं, सरकार ने भी उन्हें सुरक्षित करने के लिए बहुत से कानून बनाये है, प्रश्न, ये है कि महिलाओं को पीछे किया किसने ? वैसे कोई किसी को ना आगे बढ़ा सकता है और ना ही बढ़ने से रोक सकता है । आज की नारी को जो अच्छा लग रहा है वह कर रही है, फिर चाहे वह घर से भागकर शादी करना हो, ब्यूटी पार्लर से सजधज कर नाभि दर्शना वस्त्रों के साथ बारात में सड़कों पर थिरकना हो, अपने पारिवारिक, सामाजिक दायित्वो को दरकिनार करके, बहुत से ऐसे कार्य करना जो ना तो नारी सुलभ है, ना ही सम्मानीय । उन्हें कौन रोक पा रहा है, ना ही परिवार ना ही समाज । हमारी सामाजिक व्यवस्था भले ही पुरुष प्रधान हो लेकिन... उसमें भी बदलाव की शुरुआत हो चुकी है । महिलाओं ने अपने फैसले लेना शुरु कर दिया है... अपने भले बुरे की परख करके यदि महिलाएं परिवार और समाज उत्थान के लिए कुछ कदम उठाती है तो पुरुष समाज भी गौरवान्वित होता है ।

धीरे-धीरे ही सही महिलाओं के प्रति समाज के नजरिए में भी परिवर्तन आ रहा है । एक साथ एक दम से... शत प्रतिशत बदलाव ना तो हो सकता है और ना ही ऐसे बदलाव के लिए उग्र रुप धारण करना चाहिए । संतुलन के साथ... आगे बढ़ने में सहयोग मिलेगा ।

मुख्य बात- योग्य बने... शिक्षित बने... समझदार बने, न जलनशील बने न ज्वलनशील

वक्त के साथ पुरुषों ने भी, श्रेष्ठता बोध के ऐतिहासिक संस्कारों को शिथिल किया है, वह अब स्त्री को ना कम ना ज्यादा बल्कि बराबरी का स्वीकार कर रहा है ।

अच्छी बात है कि आज स्त्री समझ रही है कि खुबसूरत कपड़े और प्रसाधनों से ज्यादा बुद्धि और हुनर की चमक होती है । आज की स्त्री... आत्मविश्वास और आत्मगौरव से दीप्त पहले से ज्यादा खुबसूरत स्त्री है । वह कलम में धार और कैमरे पर पैनापन ला रही है ।

वह सम्झ चुकी है कि यह उसके लिए स्वर्णिम काल है, जब समाज में स्त्री सम्मान की ओर अंगड़ाई ले रही है, हमें इस परिवर्तन की सुगबुगाहट से समाज को एक नई दिशा देने का मौका मिलता है । हमें उस पतंग की तरह खुले आसमां में उड़ना है जिसकी डोर हमारे नैतिक मूल्यों और संस्कारों से बंधी हो।

आज दिखाने का वक्त है कि स्त्री एक बालक को संस्कारों से पोषित करके महावीर, बुद्ध, शिवाजी और सम्राट अशोक बना सकती है, तो अपनी शिक्षा अपने कौशल के द्वारा अंतरिक्ष में बैठकर भारतीय व्यंजन भी खा सकती है । पर हमें कोशिश करना होगा कि हमारे कदम किसी भी प्रलोभन में डगमगाये ना ? कोई ये ना इल्ज़ाम लगा पाये कि, औरतों के लिए घर की चार दीवारी ही ठीक है ।

- साधना जैन, आकाशवाणी उद्घोषिका, भोपाल

मार्च का महीना अर्थात बच्चों और माता पिता की परीक्षाओं का समय । गहन अध्ययन और कठोर परिश्रम से आप सभी उच्चांक प्राप्त करें । इसके लिए गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से ढ़ेर सारी शुभकामनाएँ । परीक्षा परिणाम आने के पश्चात आपको एक और जिम्मेदारी पूर्ण करना है । अपनी अंकसूची की फोटोकॉपी और अपना पासपोर्ट फोटोग्राफ हम तक अवश्य भेजें ताकि आगामी अंक में प्रकाशित होने वाले प्रतिभाशली छात्र छात्राओं में आपका नाम जुड़ सके । आगामी अंक में आवेदन पत्र प्रकाशित होगा, जिसे पूर्ण एवं स्वच्छ रुप भरकर समय पर हमारे कार्यालय में भेजना न भूले ।

शब्द जाल प्रतियोगिता-

प्रस्तुत शब्दगोल पहेली में आपको 'आ' अक्षर से बनने वाले शब्द लिखना है । प्रथम प्रश्न उदाहरण स्वरुप हल किया गया है ।

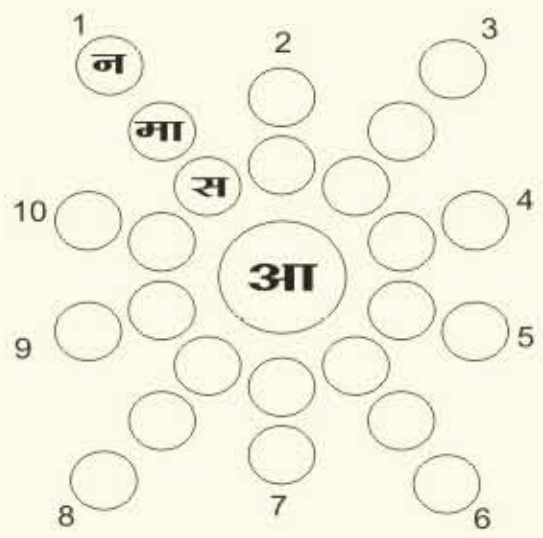

शब्द जाल प्रतियोगिता 12 के विजेता

निर्मला जैन
इन्दौर

श्रुति जैन
जबलपुर

सीमा जैन
बाकल

कु. शचि जैन
जखोरा

कु. श्रति जैन
गंजबासौदा

विनीता जैन
नागपुर

सुषमा जैन
नागपुर

ध्रुव जैन
विदिशा

सीमा जैन
विदिशा

अशोक जैन
बालाघाट

पारस जैन
झांसी

कु. मंजिल जैन
लिधौरा

संकेत - 1) नीचे धरती, ऊपर है ..... 2) ईश्वर में विश्वास रखने वाला.... 3) बुजुर्गो द्वारा दिया जाता है .... 4) मुनियों का भोजन कहलाता है... 5) तेरह पंथ और बीस पंथ हैं 6) किसी का विरोध जताने के लिये करते है... 7) अपनी मदद करने पर हम दूसरों का करते है... 8) हमें सदैव करना चाहिये अच्छा... 9) दिन के समय करना चाहिये... 10) संतों का चरित्र होता है...

निम्नलिखित पते पर भेजें - **'गोलालारीय दर्शन' 16, महारानी रोड, इन्दौर या 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर** । प्राप्त सही प्रविष्टियों का ड्रा निकालकर प्रथम 5 विजेताओं को के नाम निकालकर आगामी अंक में उनके फोटो भी प्रकाशित किये जायेंगे । ❊ **नियम** - प्रतियोगिता सभी आयु वर्ग महिला / पुरुष / बच्चों के लिए है। प्रविष्टि भेजने की **अंतिम तिथि 15 अप्रैल 2016** सही जवाब के साथ प्रतियोगी परिवार प्रमुख का नाम, टेलीफोन नंबर एवं प्रत्याशी का नवीन फोटो लगाकर पूर्ण पता मय पिनकोड के साथ अवश्य भेजें । संपादक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा । अपूर्ण जानकारी होने पर प्रविष्टी को निरस्त किया जा सकता है ।

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, सम्पादक मण्डल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौर से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित